By-Dr. Shyam Bihari Choudhary

TOPIC-Positivist and Non positivism Research

22/04/20

प्रत्यक्षवाद (Positivism) की स्थापना 19वीं शताब्दी में फ्रांसीसी दार्शनिक अगस्टे कोमटे (Augest Comte) द्वारा की गई, तत्पश्चात- फ्रांसिस बेकन, जॉन लॉक, आइजेक न्यूटन, और समकालीन विचारकों मोरिज श्लिक, अर्नेस्ट मच, रुडोल्फ कैप द्वारा प्रत्यक्षवाद को दूसरों के बीच परिलक्षित किया गया।

इसका अर्थ है कि हम हर स्थिति में प्रत्यक्ष प्रत्यक्षवाद एक साझा विश्व दृष्टिकोण है जो एक ही अनुशासन में मान्यताओं और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और यह भी बताता है कि समस्याओं का समाधान कैसे किया जाता है।

प्रत्यक्षवाद मात्रात्मक टिप्पणियों पर निर्भर करता है जो सांख्यिकीय विश्लेषणों को जन्म देते हैं। यहाँ शोधकर्ता की भूमिका एक प्रकार के उद्देश्य से डेटा संग्रह और व्याख्या तक सीमित रहता है

प्रत्यक्षवाद पर आधारित पाँच मुख्य सिद्धान्त निम्नहैं

1. विज्ञानों में जाँच के तर्क में कोई अंतर नहीं है।
2. व्याख्या करना और भविष्यवाणी करने का प्रयास
3. यहाँ पर एक तर्क (Inductive reasoning) मुख्य दृष्टिकोण है और परिकल्पना (Hypothesis) को प्रक्षण प्रक्रिया के दौरान परीक्षण किया जाना है
4. सामान्य ज्ञान (Common Sense) जिसको विज्ञान से अलग रखा जाता है के शोध निष्कर्षों को पूर्वाग्रह करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए
5. विज्ञान को मूल्य मुक्त (Value free) माना जाता है।

प्रत्यक्षवाद विज्ञान के निम्नलिखित पहलुओं पर केंद्रित

1. विज्ञान नियतात्मक (Deterministic) है: संबंधों का कारण और प्रभाव

Scanned with CamScanner